कौलेक्ट

हे सर्व शक्तिमान और सदा जीवित परमेश्वर, आपका देहधारी पुत्र आज के दिन मंदिर में आपको अर्पित किया गया था। हम विनम्रतापूर्वक प्रार्थना करते हैं कि हम भी शुद्ध और निर्मल हृदय से आपके सम्मुख आयें; हमारे प्रभु तथा उद्धारकर्ता येशु मसीह के द्वारा, जो आपके और पवित्र आत्मा के साथ एक परमेश्वर है, और अब तथा सदा-सर्वदा जीवित और राज्य करते हैं। **आमीन।**

Please pray for our church family members who are in need of your prayer support:

Ms. Sanjivani Agarwal, Master Isaiah, Mr. Eugene Samuel, Mrs Sujaya Kingston, Mrs Shirley Thomas, Rev. GH Grose, Mrs. Hilda Immanuel, Ms. Shiela Choudhary, Mr. Dalip Kumar Ghosh, Mrs. E. S. Ruskin, Mr. Neelu Joseph, Ms. Mellisa Dass, Mrs. Ruth Peace, Mrs. Virginia Sen, Mr. Suresh Kukde, Mrs. Jyotika Suraj, Master Arnav Vyas, Mrs. Savitri and Mrs. Cynthia Nathaniel.

BIRTHDAYS & ANNIVERSARIES	
2nd Feb	Wreeta Satyavrata, Mr. & Mrs. Sumeet Eric Wilson
4th Feb	Meena Mishra, Anita Singh, Pallavi Rani Soren, Mr. & Mrs. Evang Pratap Chauhan
5th Feb	C.C. Daniel, Mr. & Mrs. Darling V Anosike
6th Feb	Neelam Ghosh
8th Feb	Vinod Masih

NOTICES

- Presbyter-in-Charge will be away from 6th to 7th February 2020 to attend the Meetings of the South Asia Study Bible Project (SASB). In case of any pastoral emergency kindly contact Rev. Vishal Ronald Paul.
- PC Meeting highlights.
- Thanks to all those who participated in the 24-hour chain of prayer yesterday.
- Those of you who are celebrating their Birthdays & Wedding Anniversaries in the coming week and would like to do a reading/intercession are requested to give your names to the Presbyters / Church Office.
- Collection from last Sunday Services was **Rs. 34,055/-**

GREEN PARK FREE CHURCH

CNI, Diocese of Delhi,
A-24 Green Park, New Delhi-110016

शिशु येशु का मंदिर में अर्पण
प्रभु येशु के जन्म-दिवस के पश्चात छठा रविवार
2 फरवरी 2020
शिशु यीशु को प्रतिज्ञाबद्ध उद्धारकर्ता के रूप में प्रकट किया गया।

Presbyter-in-Charge	Associate Presbyter	Hon Secretary	Hon Treasurer
Rev Dr Paul Swarup 9811397771	**Rev. Vishal R. Paul** 9313912594, 8700784065	**Mr. Dennis Singh** 9811269792, 8700319032	**Mrs. Kiran Mohan** 9811477154

Regular Sunday Service

Hindi: 8:30 a.m., English: 10:30 a.m., Evening Worship: 5:30 p.m.

Church Office: 011– 42637508, 26561703,
gpfc.delhi@gmail.com, officegpfc@gmail.com
www.freechurchgreenpark.com

PLEASE SWITCH OFF YOUR MOBILE PHONES WHILE IN THE CHURCH

Pastor Writes

आज क्रिसमस के बाद छठा रविवार है और हमारे सुबह के ध्यान के लिए थीम है "शिशु यीशु को प्रतिज्ञाबद्ध उद्धारकर्ता के रूप में प्रकट किया गया।" लूका हमारे लिए लिखते हैं कि जब मूसा की व्यवस्था के अनुसार उन के शुद्ध होने के दिन पूरे हुए तो वे उसे यरूशलेम में ले गए, कि प्रभु के सामने लाएं। लैव्यवस्था 12: 6 के अनुसार, वे शुद्धिकरण के दिनों के बाद आने वाले थे और बलिदान के लिए एक साल का मेमना और पाप क्षमा के लिए एक युवा कबूतर या पंडुकों का एक जोड़ा पेश करते थे। यह आमतौर पर बेटे के जन्म के चालीस दिन बाद होता है। वह यही समय था जब यूसुफ और मरियम यीशु को मंदिर में पेश करने के लिए ले गए थे। महत्वपूर्ण बात यह है कि एक बच्चे को उसकी सेवा के लिए परमेश्वर को अर्पित किया जाता है, उसी तरह सेमुएल को उसके माता-पिता ने परमेश्वर को अर्पित किया था। इसलिए, हम यीशु को ईश्वर की सेवा के लिए कृतसंकल्प होते हुए देखते हैं। यह निर्गमन 13:2-12 के अनुरूप है, जहाँ इस्राएल के हर पहिलौठे को प्रभु के लिए अभिषेक किया जाना था, क्योंकि इजराइल के सभी पहिलौठे जो मिस्र में पैदा हुए थे पवित्र थे और मिस्र के पहिलौठे मारे गए थे। चूंकि मरियम और युसुफ गरीब थे, इसलिए उन्होंने एक जोड़ा कबूतर बलिदान किया।

यरूशलेम में शमौन नाम का एक आदमी था, जो धर्मी और भक्त था। वह मसीहा के आने की प्रतीक्षा कर रहा था जो उनकी सभी आशाओं को पूरा करेगा। वह मसीहा के आगमन को पहचानने के लिए तयार था क्योंकि पवित्र आत्मा उस पर था। पवित्र आत्मा से उस को चितावनी हुई थी, कि जब तक तू प्रभु के मसीह को देख ने लेगा, तक तक मृत्यु को न देखेगा। वह आत्मा के सिखाने से मन्दिर में आया; और जब माता-पिता उस बालक यीशु को भीतर लाए, कि उसके लिये व्यवस्था की रीति के अनुसार करें। तो उस ने उसे अपनी गोद में लिया और परमेश्वर का धन्यवाद करके कहा,

हे स्वामी, अब तू अपने दास को अपने वचन के अनुसार शान्ति से विदा करता है।
क्योंकि मेरी आंखो ने तेरे उद्धार को देख लिया है।
जिसे तू ने सब देशों के लोगों के साम्हने तैयार किया है।
कि वह अन्य जातियों को प्रकाश देने के लिये ज्योति, और तेरे निज लोग इस्राएल की महिमा हो।

शमौन दर्शाता है कि उद्धार का युग आ गया है और अब शमौन परमेश्वर के वादे को पूरा करते हुए मरने के लिए तैयार है। उसने उस मसीहा देखा था जिसे परमेश्वर ने भेजा था। मसीहा अन्य जातियों को प्रकाश होगा और इस्राएल के लोगों के लिए गौरव होगा। इसलिए शमौन स्पष्ट रूप से हमें दिखाते हैं कि यीशु को वादा किया हुआ उद्धारकर्ता के रूप में प्रकट किया गया है। तब शमौन ने उन को आशीष देकर, उस की माता मरियम से कहा; देख, वह तो इस्राएल में बहुतों के गिरने, और उठने के लिये, और एक ऐसा चिन्ह होने के लिये ठहराया गया है, जिस के विरोध में बातें की जाएगीं -- वरन तेरा प्राण भी तलवार से वार पार छिद जाएगा-- इस से बहुत हृदयों के विचार प्रगट होंगे। शमौन ने न केवल संकेत दिया कि वह दुनिया का उद्धारकर्ता होगा, बल्कि उसका आना भी इस्राएल के लोगों का न्याय करेगा। मसीहा एक ऐसा व्यक्ति होगा जो बाहरी दिखावे पे नहीं जाएगा, लेकिन लोगों के दिलों को प्रकट करेगा। शमौन ने मरियम को भी चेतावनी भी दी कि वह मसीहा की मां होने के कारण दुख के रास्ते से गुजरेंगी। उसका पिता और उस की माता इन बातों से जो उसके विषय में कही जाती थीं, आश्चर्य करते थे।

वहाँ एक भविष्यद्वक्तिन हन्नाह भी थी जो 84 वर्ष की थी। वह हमेशा मंदिर में रात-दिन आराधना, उपवास और प्रार्थना करती थी। वह उसी क्षण उनके पास आई और ईश्वर को धन्यवाद दिया और उस बच्चे के बारे में बात की, जो यरूशलेम के छुटकारे के लिए आया था। यहाँ फिर से हम देखते हैं कि हन्नाह स्पष्ट रूप से संकेत दे रही थी कि यीशु वादा किया हुआ उद्धारकर्ता था जो अपने लोगों को छुड़ाने वाला था।

लुका हमे बताता है की यूसुफ और मरियम ने प्रभु की व्यवस्था के अनुसार सब कुछ कर लिया तो वो गलील में अपने नगर नासरत को फिर चले गए॥ और बालक बढ़ता, और बलवन्त होता, और बुद्धि से परिपूर्ण होता गया; और परमेश्वर का अनुग्रह उस पर था।

वादा किया हुआ उद्धारकर्ता आया है और उसने हमारे लिए क्रूस पर अपना काम किया है। इसलिए, ऐसा क्या है जो आपको और मुझे करने के लिए कहा जाता है? पौलूस रोमियो को लिखते हुए कहता है, “इसलिये हे भाइयों, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर बिनती करता हूं, कि अपने शरीरों को जीवित, और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ: यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है। और इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारी बुद्धि के नये हो जाने से तुम्हारा चाल-चलन भी बदलता जाए, जिस से तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो॥”

इसलिए, जैसा कि हम यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में पहचानते हैं, हमें अपना दैनिक जीवन में भी वेसे ही रहना है, पवित्र होना है, और हमारे शरीर को परमेश्वर की सेवा के लिए जीवित बलिदान के रूप में पेश करना है। हमें इस दुनिया के दबावों से दूर नहीं जाना है, बल्कि हमें परमेश्वर की पवित्र आत्मा को अपने मन के नवीकरण द्वारा अपने जीवन को बदलने की अनुमति देना है। परमेश्वर वास्तव में हमें उसकी इच्छा को समझने और उसके तरीकों के अनुसार चलने में मदद करें।

शालोम
पॉल स्वरुप

प्रार्थना क्रम

प्रार्थना की बुलाहट

हे यरूशलेम को शुभ समाचार सुनाने वाली, बहुत ऊंचे शब्द से सुना; यहूदा के नगरों से कह, “अपने परमेश्वर को देखो!” (यशायाह 40:9)

धर्मसेवक	पॉल स्वरूप	
अगुआ	विशाल पॉल	
प्रारंभिक गीत	म. गी. कि. 199	यीशु आ हमारे बीच
तैयारी	क्रम संख्या 3 से 5	विशाल पॉल
प्रथम पाठ	मलाकी 3:1-4	सुमित एरिक विल्सन
दूसरा पाठ	रोमियो 12:1-2	एलवीना मेस्सी
गीत	म. गी. कि. 215	ऐ खुदा कमाल के
सुसमाचार	लूका 2:22-40	विशाल पॉल
उपदेश		विशाल पॉल
निकाया का अक़ीदा	क्रम संख्या 14	सब
सूचनाएँ		पॉल स्वरूप
सिफ़ारशी दुआएँ	क्रम संख्या 16	सारा सिंह
गुनाहों का इक़रार	क्रम संख्या 17- 19	विशाल पॉल
क्षमादान और शांति अभिवादन	क्रम संख्या 20 और 22	पॉल स्वरूप
प्रार्थना और हदिये का गीत	म. गी. कि. 578 **जो लोग इस हफ्ते अपना जन्मदिन और सालगिरह मना रहे हैं.**	आओ आओ जग के लोग
प्रभु भोज	क्रम संख्या 26-40	पॉल स्वरूप
प्रभु भोज के गीत	म. गी. कि. 317	मेरी जिंदगी को ले
आशीष वचन	क्रम संख्या 45	पॉल स्वरूप
अन्तिम गीत	म. गी. कि. 566	जय जय यीशु